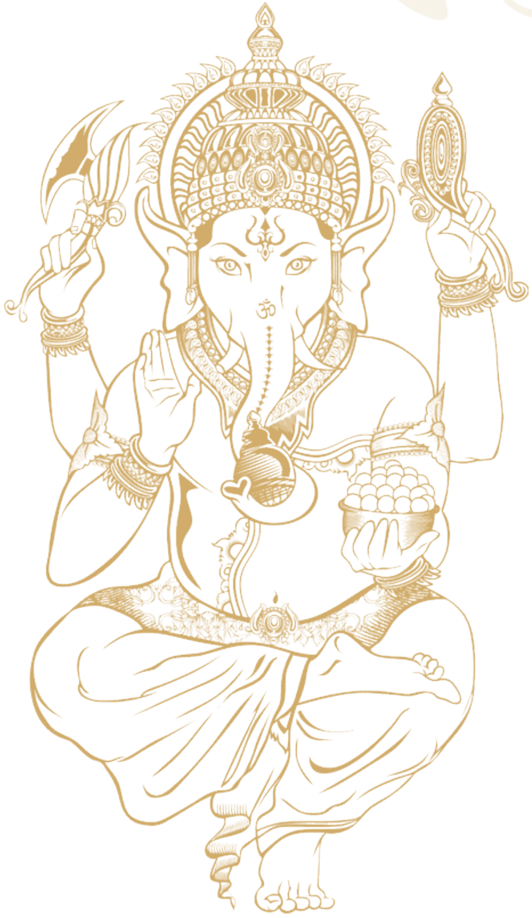

Mr.k.malhotra

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120374402

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/10/1995 :	जन्म तिथि	: 14/03/1997
गुरुवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 18:55:00 :	जन्म समय	: 21:45:00 घंटे
घटी 31:05:40 :	जन्म समय(घटी)	: 38:01:20 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Panipat
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:28:43 :	सूर्योदय	: 06:33:36
17:41:24 :	सूर्यास्त	: 18:29:35
23:48:01 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 8वर्ष 5मा 3दि		02:28:22	वृष	लग्न	तुला	13:30:55	**चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि**	
केतु		08:51:13	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	**राहु**	
30/03/2021		10:45:15	वृश्चि	चंद्र	वृष	14:39:34	**15/09/2010**	
30/03/2028		10:16:54	वृश्चि	मंगल व	कन्या	03:59:09	**15/09/2028**	
केतु	26/08/2021	22:19:01	कन्या	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
शुक्र	26/10/2022	21:08:28	वृश्चि	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
सूर्य	03/03/2023	26:24:18	तुला	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
चन्द्र	02/10/2023	24:47:14	कुंभ व	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
मंगल	28/02/2024	02:42:36	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
राहु	18/03/2025	02:42:36	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
गुरु	22/02/2026	02:53:45	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
शनि	02/04/2027	29:06:05	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
बुध	30/03/2028	05:37:19	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

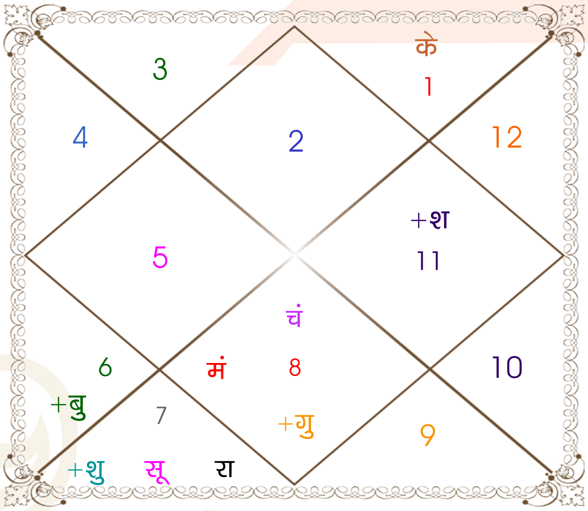

लग्न-चलित

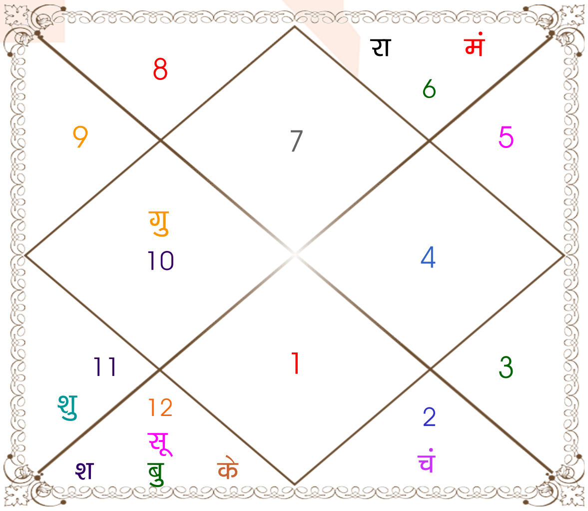

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr.k.malhotra का वर्ग सर्प है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.k.malhotra और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.k.malhotra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.k.malhotra कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.k.malhotra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.k.malhotra कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.k.malhotra तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।